अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम

2022

देव संस्कृति विश्वविद्यालय
गायत्रीकुंज, हरिद्वार उत्तराखण्ड – 249411

पी–एच.डी. पाठ्यक्रम (अंशकालिक)

सत्र 2022 से विश्वविद्यालय में अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम प्रारम्भ किया जा रहा है। अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम में अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय की उन सभी शैक्षणिक अर्हताओं को नियमानुसार पूर्ण करना होगा जो कि पूर्णकालिक पी–एच.डी. हेतु निर्धारित की गई है। अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के अभ्यर्थी को पूर्णकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के अनुसार ही पी–एच.डी. पाठ्यक्रम–कार्य (कोर्स–वर्क) निर्धारित अवधि में पूरा करना होगा और यथा समय निर्धारित मूल्यांकन की प्रक्रिया से गुजरना होगा। अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिये विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में चल रहे पूर्णकालिक पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित सभी नियम यथावत् लागू होंगे जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो।

योग्यता

- पीएच–डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55 प्रतिशत ग्रेड B (UGC-7 प्वाईन्ट स्केल) अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- जिस विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है केवल उसी विषय में पीएचडी हेतु आवेदन कर सकते है।
- SC/ST/OBC/PWD के अभ्यर्थियों को उत्तराखण्ड शासनादेश के अनुसार प्रवेश परीक्षा में 5 % अंकों की छूट दी जाएगी।
- प्रवेश हेतु इच्छुक अंतराष्ट्रीय अभ्यर्थियों को अपने देश के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 'बी' ग्रेड होना अनिवार्य है।

अंशकालिक पीएच–डी. हेतु उपरोक्त के अतिरिक्त अनिवार्य अर्हतायें एवं शर्ते –

1) कोई भी अभ्यर्थी जो किसी भी शिक्षा संकाय (केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/निजी संस्थान) या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/पंजीकृत औद्योगिक संस्थान/कम्पनी का पोषित कर्मचारी है, अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिए अर्ह है।
2) आवेदक को आवेदन करते समय कम से कम दो वर्ष तक नियमित सेवा में निरन्तर सेवारत होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को अपने नियोक्ता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' संस्थान के लेटर हेड पर लेना आवश्यक है, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए किः–

    - अभ्यर्थी संस्थान में वेतन पर कार्यरत है।
    - अभ्यर्थी को उसका संस्थान (जहा से वो वेतन ले रहा है।) उसके शोध कार्य हेतु आवश्यक छूट प्रदान करेगा। ये उस संस्थान को अनापत्ती प्रमाण पत्र में सुनिश्चित करना होगा।
    - अभ्यर्थी को अंशकालिक पी–एच डी. प्रोग्राम में अध्ययन करने हेतु स्वीकृति प्रदान की जाती है।
    - अपने कार्यालयीन कार्य के साथ–साथ शोध कार्य को भी पर्याप्त समय देना सुनिश्चित करेगा।

3) इनके अतिरिक्त जो अभ्यर्थी निजी कार्य/निजी व्यवसाय अथवा गृहकार्य में संलग्न है। वे सब भी इस पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिए अर्ह है।
4) साक्षात्कार/परामर्श के समय विभागीय शोध समिति यह सुनिश्चित करेगी कि अभ्यर्थी उपर्युक्त सभी शर्ते पूर्ण करता हो तथा वह साक्ष्य के रूप में सम्बन्धित मूल प्रमाण पत्रों को जमा करेगा।
5) अंशकालिक पीएच.डी में प्रवेश के उपरांत यदि शोधार्थी अपनी सेवायें, जहां सेवा दे रहा है उस संस्थान को छोडकर दूसरी संस्थान में देता है तो उसे नयी संस्था जहां सेवायें देगा, से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर विश्वविद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रवेश प्रक्रिया

- प्रवेश परीक्षा के लिए दो प्रश्न पत्र होंगे – प्रथम प्रश्न पत्र सभी अभ्यर्थियों के लिये अनिवार्य है यह शोध पद्धति से संबंधित होगा (शोध पद्धति, research methodology Syllabus विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर देखा जा सकता है www.dsvv.ac.in) एवं द्वितीय प्रश्न पत्र चयन किये गये विषय अनुसार (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नेट की परीक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम) का होगा।
- प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र, वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होगे।
- लिखित प्रवेश परीक्षा में वरीयता के आधारपर चयनित अभ्यर्थियों का शोध विमर्श होगा।
- शोध विमर्श हेतु एक सीट के लिये अधिकतम 3 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।
- शोध विमर्श में सम्मिलित होने हेतु लिखित परीक्षा में वरीयता के आधार पर चयनित होना आवश्यक है। लेकिन प्रवेश केवल शोध विमर्श के परिणामों के आधार पर ही दिया जाएगा। क्योंकि शोध विमर्श में बिना लिखित परीक्षा में चयनित हुये अभ्यर्थी जैसे नेट स्लेट/गेट आदि भी सम्मीलित होगे इसलिये शोध विमर्श परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी ही प्रवेश प्राप्त करने के अधिकारी होगे।

अन्य नियम एवं शर्ते

1. किसी भी विभाग में निर्देशक के अन्तर्गत अंशकालिक पी–एच.डी. शोधार्थियों की अधिकतम सीट/संख्या निम्न प्रकार होगी–

प्रोफेसर	–	2
एसोसिएट प्रोफेसर	–	1
असिस्टेंट प्रोफेसर	–	1

   इनकी गणना पूर्णकालिक पी–एच.डी. शोधार्थियों की अधिकतम संख्या के अन्तर्गत ही की जायेगी।
2. अंशकालिक पी–एच. डी. प्रोग्राम के अन्तर्गत शोध कार्य की अवधि पाठ्यक्रम कार्य सहित न्यूनतम 4 वर्ष तथा अधिकतम 7 वर्ष होगी। यह अवधि पी–एच.डी. पाठ्यक्रम– कार्य की कक्षाएँ प्रारंभ होने की तिथि से मानी जायेगी। उक्त अवधि के अतिरिक्त समय–विस्तारण नहीं किया जा सकेगा।
3. अंशकालिक पी–एच. डी. शोधार्थियों के लिए पी–एच.डी. पाठ्यक्रम–कार्य की कक्षाएँ एक सेमेस्टर की अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही संचालित होंगी। शोधार्थियों की उक्त कक्षाओं में नियमानुसार न्यूनतम 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
4. शोधकार्य के दौरान अभ्यर्थी को संबन्धित विभाग में न्यूनतम 240 दिन (पी–एच.डी. पाठ्यक्रम कार्य की अवधि के अतिरिक्त) की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। ये 240 दिन एक साथ अथवा अलग–अलग समयावधि में पूरे किये जा सकते हैं। यह उपस्थिति निर्देशक या सह–निर्देशक द्वारा प्रस्तुत की गई ही मानी जायेंगी।
5. एम.फिल कर चुके अभ्यर्थियों को कोर्स–वर्क से छूट प्रदान की जायेगी।
6. शोध कार्य के दौरान शोधार्थी को आवास/भोजनादि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

7. शोध प्रबंध जमा करते समय शोध निर्देशक के द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि अभ्यर्थी ने पी–एच.डी. शोध कार्य में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम उपस्थिति दर्ज कराई है। इस हेतु शोधार्थी की उपस्थिति का सत्यापन संबंधित निर्देशक द्वारा किया जायेगा।
8. जो अभ्यर्थी अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम में शोधार्थी हैं वे किसी भी प्रकार के दूरस्थ या संस्थागत अन्य पाठ्यक्रम हेतु पंजीकृत नहीं हो सकते हैं। यदि कोई शोधार्थी उक्त नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसका पंजीकरण निरस्त माना जायेगा।
9. अंशकालिक पी–एच.डी. प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क तालिका के अनुसार देय होगा।
10. देव संस्कृति विश्वविद्यालय में कार्य कर रहे शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की सेवामें न्यूनतम 2 वर्ष कार्य करने के पश्चात ही अंशकालिक पी.एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश की सुविधा प्रदान की जा सकती है।

सभी नियमों में परिवर्तन का पूर्ण अधिकार मा0 कुलाधिपति महोदय जी के पास सुरक्षित होगा।

प्रस्तावित अशंकालिक पी–एच.डी. हेतु निर्धारित शुल्क

- आवेदन पत्र (विवरण पुस्तिका) 500/–
- परीक्षा शुल्क 4000/–
- कोर्स वर्क शुल्क 50,000/–
- पंजीयन शुल्क 10,000/–
- प्रगति रिपोर्ट शुल्क 2500/–(प्रतिमाह)
- प्री–सब्मिशन शुल्क 5,000/–
- शोध ग्रंथ मूल्यांकन 25,000/–

Part Time Ph.D. Program 2022-23

प्रस्तावित विषयवार सीटों की संख्या

Number of seats offered

विभाग	प्रस्तावित सीटें
• मानवीय चेतना एवं योग विज्ञान Human Consciousness & Yogic Sciences	13
• मनोविज्ञान Psychology	07
• पत्रकारिता एवं जनसंचार Journalism &Mass Communication	02
• कम्प्यूटर विज्ञान Computer Sciences	02
• पर्यटन प्रबंधन Tourism Management	02
• भारतीय संस्कृति एवं इतिहास History and Indian Culture	01
• प्राच्य अध्ययन (आयुर्वेद) Oriental Studies (Ayurved)	01
• भारतीय शास्त्रीय संगीत (गायन) Indian Classical Music (Vocal)	01
• शिक्षाशास्त्र Education	02
• भाषा विभाग (संस्कृत, हिन्दी) Indian Languages (Sanskrit, Hindi)	01 - 01

2022-23 अंशकालिक पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा की प्रस्तावित महत्त्वपूर्ण तिथियों से संबंधित सूचना

- आवेदन पत्र वितरण करने की तिथि – 14 फरवरी 2022
- आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि – 01 जून 2022
- आवेदन पत्र विलम्ब शुल्क सहित(प्रति दिन 100 रूपये) – 03 जून 2022
- लिखित प्रवेश परीक्षा की तिथि – 05 **जून** 2022
- शोध विमर्श हेतु चयनित अभ्यर्थियों की घोषणा – 10 जून 2022
- चयनित अभ्यर्थियों के शोध–विमर्श की संभावित तिथियाँ – 13 जून से 16 जून 2022
- चयनित अभ्यर्थियों की घोषणा – 20 जून 2022
- पंजीकरण प्रक्रियाँ – 21 जून से 25 जून 2022
- कोर्स–वर्क प्रारंभ (ऑनलाइन) – 01 जुलाई 2022

नोट 1 – सभी विषयों का शोध विमर्श अलग–अलग निर्धारित तिथियों में होगा। जिस विषय के लिये जो तिथि निर्धारित की गई है उस विषय का उसी दिन शोध विमर्श होगा। इसकी सूचना प्रवेश पत्र के साथ दी जायेंगी।

नोट 2 – कोविड़ महामारी के प्रकोप को देखते हुये प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि वर्तमान सत्र की समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न करायी जायेंगी।